महिलाओ की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु कौशल क्षमता विकास प्रशिक्षण

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

9-11 December 2022

प्रशिक्षण का उद्देश्य

- उक्त तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाये स्वयं कैसे एक उद्यमी बन सकती है.
- महिलाओ तथा बालिकाओँ में जन जागरूकता पैदा करना, स्वावलंबी बनाना, उनके प्रति हिंसा करने वाले लोगों की पहचान उजागर करना, उनमे सुरक्षित परिवेश की अनुभूति कराना है.
- महिलाओ और बालिकाओ की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए विभिन्न विषयों जैसे- बांस की खेती, मशरुम की खेती, मोरेंगा की खेती, गोबर से बने उत्पाद, फूलो की खेती, नर्सरी तैयार करना जैसे विषयों पर प्रशिक्षित करना.

महिला सशक्तिकरण कुछ सवाल

हम पुरुष सशक्तिकरण की बजाए केवल महिलाओं के सशक्तिकरण के बारे में ही क्यों बात करते हैं?

महिलाओं को क्यों सशक्तिकरण की आवश्यकता है और पुरुषों की क्यों नहीं है?

दुनिया की कुल आबादी का लगभग 50% महिलाएं हैं फिर भी समाज के इस बड़े हिस्से को सशक्तिकरण की आवश्यकता क्यों है?

महिलाएं अल्पसंख्यक भी नहीं है कि उन्हें किसी प्रकार की विशेष सहायता की आवश्यकता हो।

महिला सशक्तिकरण की ज़रूरत क्यों?

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वस्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार

1. 18-49 साल की महिलाओ में लगभग 30% महिलाये ऐसी है, जिन्होंने 15 साल के बाद शारीरिक हिंसा का सामना किया है.
2. 14% महिलाओ ने अपने साथ हुई शारीरिक हिंसा के बारे में बताया है.
3. 18-49 साल की महिलाओ में से 3.1% गर्भावस्था के दौरान शारीरिक हिंसा का सामना किया है.
4. 59% महिलाओ को अकेले बाज़ार जाने की इजाज़त नहीं है.
5. यौनिक हिंसा के मामले में 99% महिलाये चुप रहती है.
6. 79.4% महिलाओ ने कभी भी अपने पति के जुल्मो की शिकायत नहीं किया है.
7. साल 2015 से जुलाई 2018 तक यानी पिछले करीब चार सालों में कार्यस्थलों में यौन उत्पीड़न के कुल 2,535 मामले दर्ज हुए हैं. यह आंकड़ा रोज औसतन दो का है.
8. उत्तर प्रदेश (यूपी) भारत का वह राज्य है जहां कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं.
9. उत्तर प्रदेश में कार्यस्थल पर उत्पीड़न के 726 मामले दर्ज किए गए. यह देश भर में दर्ज ऐसे कुल मामलों का 29 फीसदी है.

भारत में महिला सशक्तिकरण के कानूनी प्रावधान

संविधान और महिला सशक्तिकरण	महिला सशक्तिकरण के लिए विशिष्ट कानून
प्रस्तावना :- भारत के संविधान की प्रस्तावना न्याय, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आश्वासन देती है। इसके अलावा यह व्यक्ति की स्थिति, बराबरी के अवसर और गरिमा की समानता भी प्रदान करती है। इस प्रकार संविधान की प्रस्तावना के अनुसार पुरुषों और महिलाओं दोनों को समान माना जाता है। **मौलिक अधिकार :-** हमारे संविधान में निहित मूलभूत अधिकारों में महिला सशक्तिकरण की नीति अच्छी तरह से विकसित हुई है। अनुच्छेद 14 महिलाओं को समानता का अधिकार सुनिश्चित करता है। अनुच्छेद 15 (1) विशेष रूप से लिंग के आधार पर किए जाने वाले भेदभाव पर प्रतिबंध लगाता है। अनुच्छेद 15 (3) राज्य को महिलाओं के पक्ष में सकारात्मक कार्रवाई करने का अधिकार देता है। अनुच्छेद 16 किसी भी कार्यालय में रोजगार या नियुक्ति से संबंधित मामलों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता प्रदान करता है।	• समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 • दहेज निषेध अधिनियम, 1961 • अनैतिक यातायात (रोकथाम) अधिनियम, 1956 • मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 • गर्भावस्था अधिनियम का अंत, 1971 • सती आयोग (रोकथाम) अधिनियम, 1987 • बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 • प्री-कॉन्सेशेशन एंड प्री-नेटाल डायग्नॉस्टिक टेक्निक्स (विनियमन और निवारण) अधिनियम, 1994 • कार्यस्थल पर महिलाओं की यौन उत्पीड़न (रोकथाम और संरक्षण) अधिनियम, 2013 • घरेलू हिंसा से महिलाओ का संरक्षण अधिनियम- 200

भारत में महिलाओ की उपलब्धियां

1848 : सावित्रीबाई फुले ने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर भारत के पुणे में महिलाओ के लिये स्कूल खोली. इस प्रकार सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका बनी.	*1966 : इंदिरा गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी.*
1917 : भारतीय राष्ट्रिय कांग्रेस की एनी बेसेन्ट पहली महिला अध्यक्षा बनी.	1979 : मदर टेरेसा को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, इसे हासिल करने वाली वह पहली भारतीय महिला नागरिक है.
1925 : सरोजिनी नायडू भारत में जन्मी, भारतीय राष्ट्रिय कांग्रेस की पहली अध्यक्षा बनी.	1984 : 23 मई को बचेंद्री पाल माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने पहली भारतीय महिला बनी.
1947 : 15 अगस्त 1947 को आज़ादी के बाद सरोजिनी नायडू भारत की पहली महिला गवर्नर बनी.	1986 : सुरेखा यादव भारत और एशिया की पहली महिला लोको-पायलट, रेलवे ड्राईवर बनी
1953 : विजया लक्ष्मी पंडित यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली की भारत की पहली महिला अध्यक्षा बनी	1989 : न्यायमूर्ति एम. फातिमा बीवी भारतीय सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनी.
1963 : उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री और किसी भी भारतीय राज्य में इस पद पर रहने वाली सुचेता कृपलानी पहली महिला थी.	2007 : 25 जुलाई को प्रतिभा पाटिल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति बनी.
संविधान सभा में पूरे भारत की 15 महिलाओ ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई.	

296

NDIA

भारत में महिला उद्यमी

- महिला उद्यमिता को किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण साधन माना जाता है. एक महिला उद्यमी न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाती है बल्कि दूसरो के लिए भी रोज़गार का सृजन करती है.
- भारतीय समाज में महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक मोर्चो पर बदलाव लाने की ज़रूरत है.
- वूमन एंट्रप्रेनयोरशिप इन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार यदि महिलाओं में उद्यमशीलता को प्रोत्साहन दिया जाये तो देश में 15 से 17 करोड़ रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते है.

उद्यमी

- एक उद्यमी का आशय एसे व्यक्ति से है जो व्यापारिक अवसरों की पहचान करता है, नए व्यवसाय के लिए आवश्यक कदम उठाता है व्यवसाय उपक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न संसाधनों जैसे व्यक्ति, सामग्री और पूंजी को एकत्र करता है और निहित जोखिम व अनिश्चितताओ का वहां करता है.

उद्यमिता

- उद्यमिता का अभिप्राय उद्यमी द्वारा किये गए कार्यो से है. यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमे एक व्यक्ति किसी नए व्यवसाय की स्थापना करता है. उस नए व्यवसाय की स्थापना में निहित विभिन्न कार्यो को देखता है.

लिज्ज़त पापड़

कैसे हुई शुरुआत?

साल 1959 की बात है। मुंबई के गिरगांव में रहने वाली सात गुजराती गृहिणियों ने तय किया कि वो अपना व्यापार करेंगी। जसवंतीबेन, जमनादास पोपट, पार्वतीबेन रामदास थोडानी, उजाम्बेन नरदादास कुंडलिया, बानुबेन एन तन्ना, लगुबेन अमृतलाल गोकानी, जयबेन वी विठ्ठलानी और दीवालीबेन लुक्का ने छगनलाल करमसी पारेख नामक एक सामाजिक कार्यकर्ता से अपने व्यवसाय के लिए 80 रुपये उधार लिए। पहले दिन लिज्जत के सिर्फ 4 पैकेट बनाए गए थे।

लिज्जात पापड़ (Lijjat Papad) आज मल्टी-मिलियन डॉलर वेंचर है। 2019 में इसने 1600 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। 2021 में जारी आंकड़ों के मुताबिक, लिज्जत भारत भर की 45,000 महिलाओं को रोजगार देता है, जो हर दिन 4.8 मिलियन यानी 48 लाख पापड़ बनाती हैं।

राष्ट्रपति से मिला पद्मश्री पुरस्कार

नवंबर 2021 में लिज्जत पापड़ उद्यम की 90 वर्षीय सह-संस्थापक जसवंतीबेन जमनादास पोपट को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने प्रतिष्ठित पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। साल 2005 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने लिज्जत को ब्रांड इक्विटी अवॉर्ड से सम्मानित किया था। साल 2003 में लिज्जत को देश का सर्वोत्तम कुटीर उद्योग सम्मान मिला था। साल 2002 में इकोनॉमिक टाइम्स ने बिजनेस वुमन ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया था।

रामरती- महिला किसान

- भारतीय जनगणना 2011 के सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में छह करोड़ से ज़्यादा महिलाएं खेती के व्यवसाय से जुड़ी हैं।

गोरखपुर विकासखंड के सरपतहा गाँव की रामरती देवी आज छोटी जोत के किसानों के लिए मिसाल बन रहीं हैं। रामरती पढ़ी लिखी न हाने पर भी एक साथ कई फसलों को उगाने का हुनर जानती हैं। अपने खेती के ज्ञान से कृषि वैज्ञनिकों को भी हैरानसे उत्तर दिश में लगभग 40 किमी. दूर कैम्पियरगंज कर देती हैं। उनकी लगन और सफलता देखकर जिला कृषि अधिकारी व कृषि वैज्ञानिक उनके खेत में आते रहते हैं।
रामरती बहुफसली और मिश्रित खेती करती हैं। जमीन के नीचे आलू बोती हैं तो हैं तो उसी जमीन पर ऊपर मिर्चे के पेड़ लगा देती हैं। उसके साथ ही मचान बनाकर कई ऊपर लता वाली सब्जियां जैसे तरोई और लौकी की तीसरी फसल भी उगा लेती हैं। मेड़ के किनारे लगे केला गन्ने और अमरूद के पेड़ खेती में बोनस का काम करते हैं।

कृषि क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए मिला है सम्मान "रामरती को कृषि क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए साल 2011 में सीआईआई आदर्श महिला अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें कई राज्य और जिला स्तरीय किसान मेलों में भी सम्मानित किया गया है।"

स्वरोजगार क्या है? व स्वरोजगार के अवसर

स्वरोजगार के अवसर को मुख्यतः तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

- उद्योग या उत्पादनकारी इकाईयाँ
- जॉब वर्क या सेवा कार्य के क्षेत्र की इकाईयाँ
- व्यापर/ व्यवसाय या ट्रेडिंग से सम्बंधित इकाईयाँ

उद्योग या उत्पादनकारी इकाईयाँ	• स्टील फर्नीचर का निर्माण, खाद्य पदार्थ का निर्माण, वस्त्र निर्माण, बिजली के सामान का निर्माण, प्लास्टिक के विभिन्न कलपुर्जे का निर्माण
जॉब वर्क या सेवा कार्य के क्षेत्र की इकाईयाँ	• वेल्डिंग वर्क शॉप, दर्जी की दुकान, केवल पिसाई का कार्य कर रहीआटा चक्की, टायर रिपेयरिंग का कार्य, अस्सेम्ब्लिंग कार्य
व्यापर/ व्यवसाय या ट्रेडिंग से सम्बंधित इकाईयाँ	• विडियो शूटिंग / फोटोग्राफी, ब्यूटी पार्लर, नाई की दुकान, कंप्यूटर, टाइपिंग का काम, ऑटो- साइकिल रिपेयरिंग, घरेलु उपकरण मरम्मत का काम

उत्पाद चयन: ध्यान देने योग्य बातें

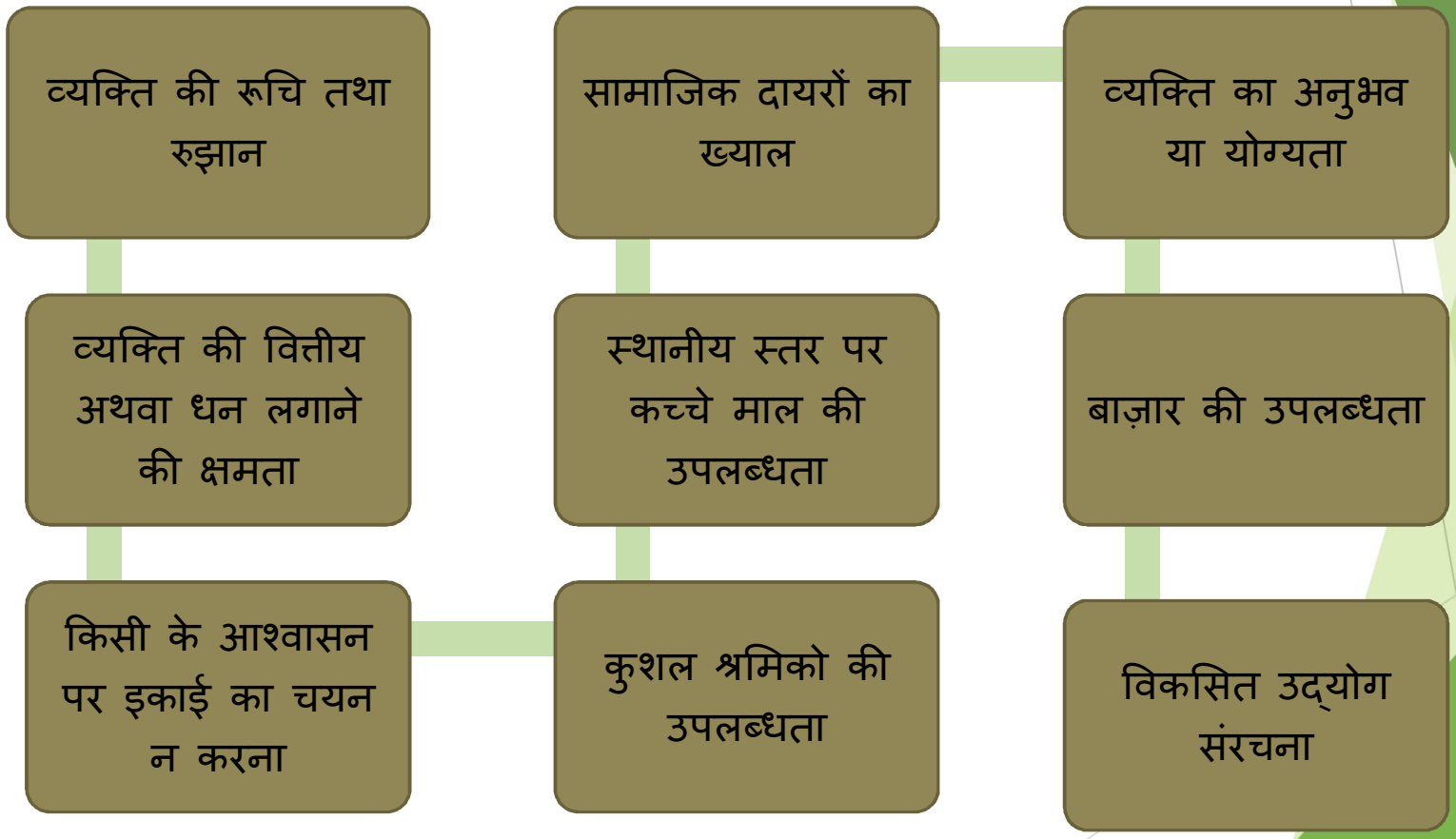

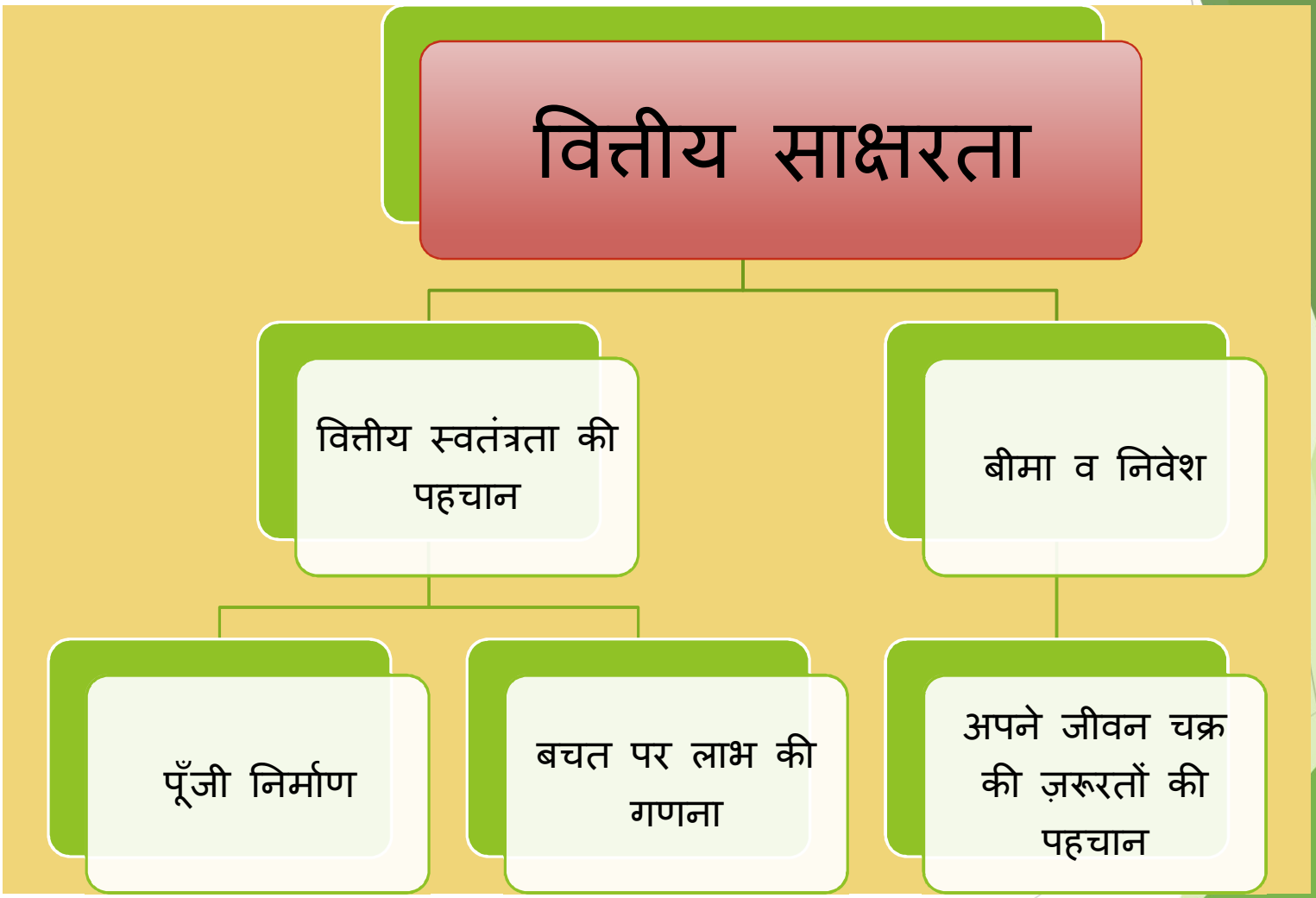
वित्तीय साक्षरता
वित्तीय स्वतंत्रता की पहचान
बीमा व निवेश
पूँजी निर्माण
बचत पर लाभ की गणना
अपने जीवन चक्र की ज़रूरतों की पहचान

बिज़नेस प्लान के प्रमुख भाग

- बिजनेस आईडिया
- कास्ट टैग (कीमते निर्धारित करना)
- स्टार्टअप कैपिटल
- मार्केटिंग प्लान
- फाइनेंसियल प्लानिंग
- स्टार्टअप कैपिटल के स्रोत

महिला उद्यमियों की चुनौतियाँ-

- व्यवसाय का चयन
- व्यवसाय के स्वरुप का चयन
- उपयुक्त श्रमशक्ति
  - वित्तीयन
  - स्थान का निर्धारण
  - मशीन एवं उपकरण
    - इकाई का आकार
    - अपनी ताकत की पहचान करना

मार्केटिंग या विपणन

- *ग्राहकों का बाज़ार तक पहुंचना, बाज़ार में व्यापर के प्रकारों का विश्लेषण करना और लक्षित समूह के लिए एक उत्पाद तैयार करना और इसे अपनी आवश्यकता के रूप में पेश करना मार्केटिंग या विपणन है.*

मार्केटिंग मिक्स या विपणन मिश्रण

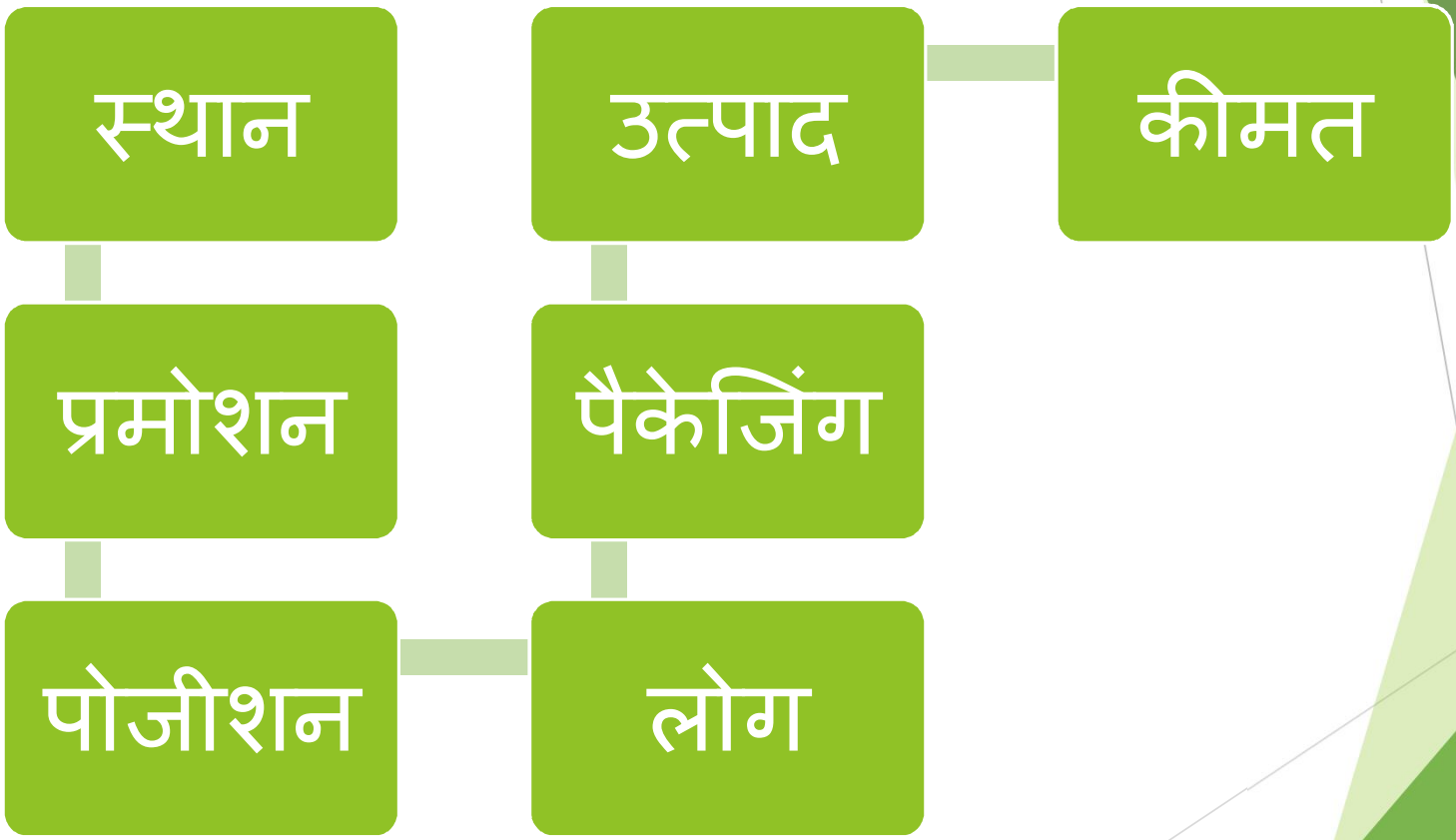

डिजिटल साक्षरता

- डिजिटल साक्षरता से आशय उन तमाम तरह के कौशलों के एक समूह से है, जो इन्टरनेट का प्रयोग करने और डिजिटल दुनिया के अनुकूल बनाने के लिए आवश्यक है.
- कंप्यूटर और एंड्राइड मोबाइल, ईमेल आदि
- उदाहरण के लिए ऑनलाइन मार्केटिंग एप जैसे अमेज़न, फ्लिपकार्ट, मीशो
- विभिन्न पेमेंट एप जो कि आपके बैंक अकाउंट से लिंक है, जैसे गूगल पे, पेटीएम्, भीम एप आदि

गाँव में संभावित उद्यम

बेकरी

डेयरी

वेर्मी कम्पोस्ट

उत्पाद फोटोग्राफी

- उत्पाद फोटोग्राफी व्यावसायिक फोटोग्राफी का एक रूप है जिसका लक्ष्य किसी उत्पाद को सर्वोत्तम संभव फोटोग्राफिक प्रतिनिधित्व में प्रस्तुत करना है.

धन्यवाद